सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 11 • अंक: 80 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, गुरुवार, 24 अप्रैल, 2025

मूल्य ₹ 3/-

जिस प्रकार एक सूखे पेड़ को अगर आग लगा दी जाये तो वह पूरा जंगल जला देता है, उसी प्रकार एक पापी पुत्र पुरे परिवार को बर्बादकर देता है।

-चाणक्य

घरेलू मैदान पर जीत की तलाश... 7 | बिहार में चुनाव से पहले लगे... 3 | देश की सुरक्षा से समझौता कर... 2

काहे की ईमानदारी, योगी के प्रमुख सचिव एसपी गोयल पर लगे अरबों की जमीन घोटाले के आरोप!

- » आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने की जांच की मांग
- » व्यावसायिक संपत्तियों का कुल क्षेत्रफल 1.71 लाख वर्ग फीट है
- » आवासीय संपत्तियों का क्षेत्रफल 55,700 वर्ग फीट है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी के लाडले आईएएस अफसर व अपर मुख्य सचिव (एसीएस) एस पी गोयल के खिलाफ लोकायुक्त को शिकायत की गई है। शिकायत में उन पर पूर्व में एक व्यक्ति द्वारा 25 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया गया था पर बाद में उस व्यक्ति ने शिकायत वापस ले लिया था।

इस मामले में को लेकर आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपर मुख्य सचिव एस पी गोयल के खिलाफ यूपी के लोकायुक्त के समक्ष शिकायत प्रस्तुत किया है। शिकायत में उन्होंने कहा है कि एसपी गोयल पर पूर्व में उन्नाव के अभिषेक गुप्ता से 25 लाख रुपए लेने के आरोप लगे थे किंतु शिकायतकर्ता ने अत्यंत संदिग्ध स्थितियों में अपनी शिकायत वापस ले ली थी।

2

वर्षों में 10 कीमती संपत्तियां रजिस्ट्री किया जाना स्वयं में जांच का विषय बन जाता है।

25

लाख रुपए घूस मांगने का आरोप भी अपर मुख्य सचिव एस पी गोयल पर लग चुका है

अंसल ग्रुप के सुशांत सिटी में 10 संपत्तियों की रजिस्ट्री गोयल के करीबियों की

यूपी सरकार से भी शिकायत कर चुके हैं अमिताभ ठाकुर

अमिताभ ठाकुर ने पूर्व में उत्तर प्रदेश सरकार से इसकी जाँच की मांग की थी और कार्रवाई नहीं होने पर लोकायुक्त को शिकायत प्रस्तुत किया है।

दिल्ली से लेकर कोलकाता तक के पते पर कंपनियों के ऑफिस

शिकायत में 7 ऐसी कंपनियों की जानकारी दी गई है, जिनका पता एसपी गोयल के विराम खंड-1 स्थित आवास का है किंतु वह पूरी तरह से आवासीय घर है और उस पर किसी भी कंपनी का कोई बोर्ड नहीं लगा है। एस पी गोयल के पारिवारिक बताये गए जो 2 लोग इन 7 कंपनियों में डायरेक्टर हैं, उन्हीं लोगों की 5 अन्य कंपनियों की जानकारी भी उन्हें मिली है, जिनसे नई दिल्ली के बाबर रोड और मालवीय नगर के साथ कोलकाता के बीबीडी बाग के पते सामने आये हैं, जो जाँच का विषय हैं।

सांध्य दैनिक 4PM

पुलिस 10 घंटे रखे हिरासत में तो कोई भी कह देगा कि मेरा मानसिक संतुलन है खराब मगर इंसाफ अभी बाकी है एसपी गोयल जी

सांध्य दैनिक 4PM

शर्मनाक: सीएम के प्रमुख सचिव एसपी गोयल पर 25 लाख घूस का आरोप

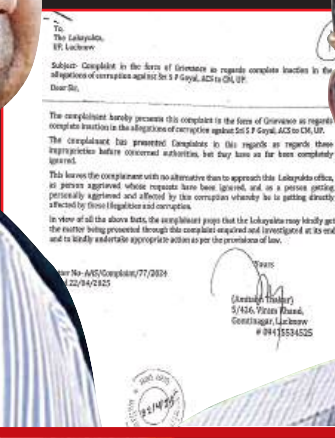

राज्यपाल ने सीएम को सीएम ने चीफ सेक्रेटरी को दिए जांच के आदेश पर जांच शुरू होने से पहले शिकायतकर्ता को पुलिस ने लिया हिरासत में

गोयल के अत्यंत नजदीकी रिश्तेदारों को खूब बंटी जमीनें

अमिताभ ठाकुर के अनुसार उन्हें अंसल ग्रुप के सुशांत सिटी, लखनऊ की अक्टूबर 2022 से दिसंबर 2024 के बीच बेची गयी 10 ऐसी संपत्तियों के रजिस्ट्री के विवरण प्राप्त हुए हैं, जो उन्हें दी गयी। जानकारी के अनुसार एसपी गोयल के अत्यंत नजदीकी रिश्तेदारों और उनसे जुड़ी कंपनियों के नाम बेचीं गयी हैं। इनमें 3 व्यवसायिक तथा 7 आवासीय संपत्तियों हैं। व्यावसायिक संपत्तियों का कुल क्षेत्रफल 1.71 लाख वर्ग फीट है, जबकि आवासीय संपत्तियों का क्षेत्रफल 55,700 वर्ग फीट है। रजिस्ट्री के अभिलेखों के अनुसार इन 10 संपत्तियों की स्टांप ड्यूटी सहित कुल कीमत लगभग 45 करोड़ 10 लाख रुपए है।

निलंबित आईएएस अफसर से जुड़ रहा मामला

उन्होंने शिकायत में कहा है कि पिछले दिनों अंसल समूह के संबंध में सामने आए तमाम तथ्यों से कथित रूप से एसपी गोयल के नजदीकी रिश्तेदारों को इस प्रकार विगत 2 वर्षों में 10 कीमती संपत्तियां रजिस्ट्री किया जाना स्वयं में जांच का विषय बन जाता है। निलंबित आईएएस अफसर अभिषेक प्रकाश मामले में अंसल समूह द्वारा उन्हें 2 विवादित संपत्ति दिए जाने का प्रकरण सामने आने के बाद से यह मामला और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

देश की सुरक्षा से समझौता कर रही है बीजेपी : अखिलेश

» बोले- भाजपाईयों और उनके संगी-साथियों को न तो हमारे भारत देश का इतिहास माफ करेगा, न भविष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर देश में गुस्सा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। अखिलेश ने कहा कि अगर भाजपा सरकार ये बहाना करती है कि हमारे पास सुरक्षा बलों की कमी है, तो इसके लिए भी भाजपा सरकार ही जिम्मेदार है। सुरक्षा बलों की संख्या घटाकर, दोयम दर्जे के सुरक्षा उपकरणों, अस्त्र-शस्त्र व युद्ध वाहनों को ख़रीदकर तथा अग्निवीर जैसी योजनाएं लाकर भाजपा देश की सुरक्षा से जो समझौता कर रही है, वो क्षम्य नहीं है।

इस घटना के प्रतिशोध का कोई भी दावा, अब जनता को बहका नहीं सकता क्योंकि कोई भी प्रतिक्रिया, मृतकों के जीवन को वापस नहीं ला सकती है। जिस परिवार ने जो खो दिया, सो खो दिया। सच तो ये है कि न तो देश की आज़ादी में भाजपाई और उनके संगी-साथियों ने कोई योगदान दिया न वो देश की आज़ादी को बचाने में कोई योगदान दे रहे हैं। लाख माफ़ी माँगने पर भी भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों को न तो हमारे भारत देश का इतिहास माफ़ करेगा, न भविष्य। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के बेहद दर्दनाक हादसे पर बचकाना विज्ञापन छापकर साबित कर दिया है कि भाजपाइयों की संवेदना उनके प्रति शून्य है, जिन्होंने अपना जीवन खोया है और जिनके परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। भाजपा अब ये विज्ञापन हटवा भी देगी तो भी उसका ये पाप उसके कट्टर समर्थक तक माफ़ नहीं करेंगे। भाजपा हमेशा आपदा में अपनी सत्ता और सियासत के लिए अवसर ढूँढती है।

भाजपा अपनी सत्ता के सिवा किसी की सगी नहीं

भाजपा अपनी सत्ता के सिवा किसी की सगी नहीं है। घोर निंदनीय! उन्होंने कहा कि जब जम्मू-कश्मीर में भाजपा सरकार ने सब कुछ अपने मन मुताबिक़ किया है तो वो इतने अधिक लोगों की असामयिक मौत के लिए अपनी जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती। ये केंद्र की सरकार की नाकामी है कि वो पहले से पता नहीं कर पायी कि देश के दुश्मन इतनी वीभत्स घटना को अंजाम देनेवाले हैं। ये कोई पहली बार नहीं हुआ है, भाजपा सरकार ने अगर पिछले हमलों से सबक लिया होता तो वो पहले से ही सचेत-सजग रहती और ऐसे हमलों को रोका जा सकता था, लोगों के जीवन को बचाया जा सकता था।

पूरा देश सिर्फ न्याय चाहता है : तेजस्वी

» पहलगाम आतंकी हमला बहुत दर्दनाक और अकल्पनीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को ''बहुत दर्दनाक'' बताते हुए कहा कि इस तरह पर्यटकों की जान लेना 'अकल्पनीय' है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों से यह भी कहा कि आतंकवादियों ने उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र पर हमला किया और गोलीबारी 20 मिनट तक जारी रही। नेता प्रतिपक्ष यादव ने कहा, इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहते।

यादव ने यह भी कहा, पूरा देश सिर्फ न्याय चाहता है। दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। पुलवामा आतंकी हमले को इतने साल बीत चुके हैं। कोई नहीं जानता कि जांच का क्या हुआ। यह बहुत दुखद घटना है। इस तरह से पर्यटकों की हत्या अकल्पनीय है। उन्होंने कहा, मृतकों में से एक बिहार का रहने वाला था, लेकिन वह हैदराबाद में तैनात था। हम सभी शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने गुप्तचर ब्यूरो के अधिकारी मनीष रंजन का जिक्र किया, जिनके पिता बहुत पहले पश्चिम बंगाल चले गए थे। रंजन की पत्नी और बच्चे, जो उनके साथ जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पर थे, इस हमले में बच गए। हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि 14 फरवरी, 2019 को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में हुए आत्मघाती हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा, पहलगाम को उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र कहा जाता है। फिर भी, आतंकवादी 20 मिनट तक उत्पात मचाते रहे। ऐसा कैसे हो सकता है? यह जांच का विषय है।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम की घटना ने सबको झकझोर के रख दिया : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने इस हमले की निंदा करते हुए इसे ''मानवता पर कलंक'' बताया। गहलोत ने कहा, ''इस घटना ने सभी को झकझोर के रख दिया है, ये मानवता पर कलंक है।''

उन्होंने कहा, ''आतंकवादियों ने जो आतंक मचाया है पूरे देश में 'रिएक्शन' होना स्वाभाविक है। उन पर क्या गुजरी होगी जिनकी आंखों के सामने परिवार का मुखिया चला गया, कई लोग भर्ती भी हैं। इसकी जितनी घोर निंदा करें उतनी कम है। निंदा के लिए शब्द ही कम पड़ जाते हैं ऐसी स्थिति है। कांग्रेस नेता ने देश के सशस्त्र बलों की ताकत और लचीलेपन पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, ''मेरा विश्वास है कि देश की सेना, बीएसएफ में मुकाबला करने का दमखम है, वे भविष्य में मुकाबला करेंगे और ये भी पता लगाएंगे कहां चूक हुई है। वहां हजारों लोग मौजूद थे उसके बीच इतनी बड़ी घटना हो गई। इसने सभी को हिला के रख दिया।'

सेना को कमजोर न करे मोदी सरकार : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भारत को मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए। अगर पाकिस्तान आतंकवादियों को शह दे रहा है तो उस पर भी कार्रवाई करें। हीलाहवाली न करें। सेना की संख्या कम न करें। जवान ही सुरक्षा करते हैं। सेना में एक लाख 80 हजार जवान कम किए गए हैं।

कोविड में कोई भर्ती नहीं की गई है फिर भी अग्निवीर योजना लेकर आए गए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सेना को कमजोर न करे ओर सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश दौरे से वापस आ गए हैं। कश्मीर में आतंकवाद खत्म होने का दावा किया जाता है लेकिन आतंकी हमले लगातार हो रहे हैं।

पहलगाम आतंकी हमला केंद्र सरकार का फेलियर : चरणदास

» छत्तीगढ़ के नेता प्रतिपक्ष महंत बोले- 370 हटने के बाद कुछ नहीं होगा,ये मानना गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले का छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने केंद्र सरकार की फेलियर से आतंकी हमला होने का आरोप लगाया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 370 हटने के बाद कुछ नहीं होगा ये मान लेना गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां पर घटना हुई वहां सुरक्षाबल तैनात नहीं किए गए थे। उन्होंने कहा कि घटना की जितनी निंदा की जाए कम है।

वहीं छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले पर कहा कि ये अत्यंत दुखद घटना है और इस घटना में रायपुर के एक व्यापारी दिनेश मिरानिया जो पहलगाम में अपने पूरे परिवार के साथ गए थे। उनकी इस घटना में मृत्यु हो गई है। मैं उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्या की। ये हमला केवल मानवता के लिए नहीं है बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विविधता पर किया गया आक्रमण है।

मद्रास हाई कोर्ट ने डीएमके मंत्री के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया

» शैव और वैष्णववाद पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के वन मंत्री और वरिष्ठ डीएमके नेता के पोनमुडी के खिलाफ उनके विवादास्पद भाषण के लिए स्वत- संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया, जिसमें कथित तौर पर शैव, वैष्णव और महिलाओं को निशाना बनाया गया था। पिछले गुरुवार को पिछली सुनवाई में, न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने कहा था कि मंत्री का भाषण प्रथम दृष्टया घृणास्पद भाषण प्रतीत होता है।

अदालत ने कहा कि ये टिप्पणियाँ, पहली नज़र में महिलाओं के लिए पूरी तरह से अपमानजनक हैं, और हिंदू धर्म के दो मुख्य संप्रदायों - वैष्णव और शैव पर जानबूझकर ज़हर उगलती हैं। अश्लील होने के अलावा, यह भाषण वैष्णव और शैव की धार्मिक भावनाओं को भी ठेस पहुँचाता है। चूंकि राज्य सरकार ने पिछली सुनवाई में न्यायमूर्ति वेंकटेश के निर्देशानुसार 23 अप्रैल तक मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की, इसलिए अदालत ने स्वत: संज्ञान लिया और खुद ही मामला शुरू करने की कार्रवाई शुरू कर दी। यह मामला हाल ही में पोनमुडी द्वारा एक सार्वजनिक कार्यक्रम में दिए गए भाषण से उपजा है, जिसमें उन्होंने हिंदू धार्मिक पहचान को यौन स्थितियों के बराबर बताते हुए एक चुटकुला सुनाया था। इस भाषण से लोगों में आक्रोश फैल गया।

बिहार में चुनाव से पहले लगे दांव

कन्हैया, तेजस्वी, पीके व चिराग की महत्वाकांक्षा चरम पर

- राजग व महागठबंधन में तकरार बढ़ी
- सबके निशाने पर सीएम नीतीश कुमार
- कांग्रेस व भाजपा ने शुरू किया प्रचार
- राजद, जदयू, सुराज पार्टी भी तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। इस वर्ष बिहार में चुनाव है। राज्य के दोनो गठबंधन राजग व महागठबंध अपने-अपने तीर-तरकश ठीक करने लगे है। राजग की तरफ नीतीश कुमार सीएम के चेहरे हैं तो महागठबंधन की ओर से अभी कोई नहीं है हालांकि राजद तेजस्वी को सीएम का उम्मीदवार मानकर चल रही है।

इस बीच महागठबंधन की दो बैठकें हो चुकी है जिसमें अभी कोई फैसला नही हुआ। उधर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बिहार के दौरे कर चुक है। उधर भाजपा के वरिष्ठ नेता भी अबतक राज्य को कई बार मथ चुके हैं। उधर तेजस्वी यादव, पीके से लकर सहनर तक सीएम नीतीश हमला करने में और तेजी दिखा रहे हैं।

एनडीए के सहयोगियों ने किया स्वागत

एनडीए की सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेताओं ने भी पासवान की टिप्पणी का स्वागत किया है। बिहार बीजेपी के प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा, हम सभी चिराग जी के इस बयान का स्वागत करते हैं। वे (चिराग) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के हनुमान के रूप में लोकप्रिय हैं। बिहार की राजनीति में उनके प्रवेश से निश्चित रूप से आने वाले चुनावों में एनडीए का वोट बैंक मजबूत होगा। केंद्रीय मंत्री के बयान ने उनके राजनीतिक रोडमैप को लेकर अटकलों को और हवा दे दी है, क्योंकि बिहार इस साल के अंत में होने वाले एक बड़े चुनावी मुकाबले के लिए तैयार है।

केंद्र से ज्यादा बिहार से लगाव : चिराग

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की हालिया टिप्पणी कि बिहार उन्हें बुला रहा है ने इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के राजनीतिक रूप से आवेशित माहौल में एक नई बहस छेड़ दी है। हाल ही में पासवान ने जोर देकर कहा कि उनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान के विपरीत, जो केंद्र पर अधिक ध्यान केंद्रित करते थे, उनकी राज्य की राजनीति में रुचि है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान की यह रहस्यमयी टिप्पणी बिहार में विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले आई है, जहां एनडीए, जिसका वह हिस्सा हैं, के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ने की संभावना है, जो जेडी(यू) के प्रमुख हैं।केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री ने कुछ दिन पहले बिहार में मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कथित तौर पर कहा था, मुझे लगता है कि बिहार मुझे बुला रहा है। मेरे दिवंगत पिता केंद्र की राजनीति में रुचि रखते थे... लेकिन मेरी रुचि राज्य की राजनीति में है। केंद्रीय मंत्री के हालिया बयान पर टिप्पणी करते हुए, लोजपा (रामविलास) के बिहार प्रमुख राजू तिवारी ने कहा कि चिराग जी हमेशा कहते हैं कि वे हमारे दिवंगत नेता के सपनों को साकार करेंगे और बिहार को बदलने के लिए %बिहार पहले, बिहारी पहले% के लिए काम करेंगे। बिहार हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमारे नेता के इस बयान का सभी पार्टी कार्यकर्ता स्वागत करते हैं।

बिहार के लोगों को सिर्फ बिहारी बनना चाहिएः आरिफ खान

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मंगलवार को राज्य के लोगों से जाति, धर्म और समुदाय के बंधन से ऊपर उठकर केवल 'बिहारी' बनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, वे (बिहार के लोग) राज्य के बाहर खुद को बिहारी बताते हैं। लेकिन जब वे अपने राज्य में आते हैं तो खुद को जाति, धर्म और समुदाय से जोड़ने लगते हैं। खान ने कहा कि बिहार में सच्चा बिहारी मिलना मुश्किल है। बहार के लोगों को जाति, धर्म और समुदाय के बंधन से ऊपर उठकर सिर्फ बिहारी बनना चाहिए। उन्हें राज्य के हितों को हर चीज से ऊपर रखना चाहिए... मुझे यकीन है... तब बिहार हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाएगा और राज्य के लोग देश में नेतृत्व की भूमिका में आएंगे, जैसा कि वे पहले भी कर चुके हैं।राज्यपाल ने कहा कि मुंबई, कोलकाता और दिल्ली जैसे शहरों में हर क्षेत्र में बिहार के लोगों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बिहारियों के बिना इन शहरों के विकास की कल्पना करना कठिन है।ऐसा क्यों है, क्योंकि वे वहां बिहारियों की तरह रहते हैं। वे खुद को बिहारी बताते हैं। यही बात बिहार में भी लागू होनी चाहिए। बिहार के लोगों को अपने राज्य में सिर्फ बिहारी बनकर रहना चाहिए।

सत्ता से बाहर होते ही तेजस्वी आरोप लगाने लगते हैं : शहनवाज

भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि जब वे सत्ता में होते हैं, तो वे इन चीजों के बारे में बात नहीं करते हैं, लेकिन एक बार जब वे सत्ता से बाहर हो जाते हैं, तो वे इस तरह के दावे करना शुरू कर देते हैं। बिहार में काम पूरी ईमानदारी से किया जा रहा है, और यह नीतीश कुमार के नेतृत्व में जारी रहेगा।

प्रशांत किशोर ने दी राज्यव्यापी आंदोलन की धमकी

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर वह जाति सर्वेक्षण कार्यान्वयन, भूमि वितरण और भूमि सर्वेक्षण में भ्रष्टाचार से संबंधित तीन प्रमुख मांगों को पूरा करने में विफल रहती है तो वह आंदोलन शुरू करेंगे। किशोर ने सरकार को एक महीने की समयसीमा दी, अगर मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो हस्ताक्षर अभियान, बड़े पैमाने पर लामबंदी और मानसून सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव करने की चेतावनी दी। किशोर ने कहा कि अगर राज्य की एनडीए सरकार हमारी तीन मांगें नहीं मानती है, तो जन सुराज 11 मई से राज्य भर के 40,000 राजस्व गांवों में हस्ताक्षर अभियान चलाएगा। उन्होंने कहा कि 11 जुलाई को हम एक करोड़

लोगों से हस्ताक्षर एकत्र करने के बाद सरकार को ज्ञापन सौंपेंगे। अगर तब भी हमारी मांगों को नजरअंदाज किया जाता है, तो हम विधानसभा के अगले मानसून सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव करेंगे, जो इस साल के अंत में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों से पहले आखिरी सत्र होगा।किशोर की पहली मांग 7 नवंबर, 2023 को बिहार विधानसभा में पेश किए गए जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर लक्षित है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 6,000 रुपये प्रति माह से कम कमाने वाले 94 लाख परिवारों को एकमुश्त 2 लाख रुपये की सहायता देने का वादा किया था, लेकिन किसी को भी सहायता नहीं मिली। किशोर ने कहा, एक भी परिवार को यह सहायता नहीं मिली है। हम सरकार से एक महीने के भीतर इस पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग करते हैं।उन्होंने सर्वेक्षण के आधार पर प्रस्तावित 65 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में देरी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, इस सर्वेक्षण के आधार पर 65 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाने का वादा किया गया था, लेकिन उसका क्या हुआ? दूसरी मांग दलित और महादलित परिवारों के लिए भूमि वितरण से संबंधित है। किशोर ने कहा कि 50 लाख बेघर या भूमिहीन परिवारों में से जिन्हें तीन डिसमिल जमीन मिलनी थी, उनमें से केवल दो लाख को ही भूखंड आवंटित किए गए हैं, वह भी ज्यादातर कागजों पर।

नीतीश सरकार पर प्रचार के लिए 225 करोड़ के दुरुपयोग का आरोप

राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जद (यू) आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपने राजनीतिक अभियान को बढ़ावा देने के लिए जनसंपर्क की आड़ में सरकारी धन का दुरुपयोग कर रहे हैं। पटना में पार्टी मुख्यालय में बोलते हुए तेजस्वी ने दावा किया कि महिला संवाद जैसी पहल के माध्यम से सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसे उन्होंने राजनीतिक प्रचार का एक मोर्चा बताया।तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार सरकार ने महिला संवाद के नाम पर 225 करोड़ रुपये के डिजिटल रथ का ऑर्डर दिया है। उन्होंने कहा कि रदाताओं के पैसे से छह सौ डिजिटल चुनाव रथों को मंजूरी दी गई है, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग ने 225 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जिसे उन्होंने सीएम की यात्रा बताया है, एक अभियान जिसका वास्तविक उद्देश्य छिपाने के लिए कथित तौर पर कई नाम बदले गए। तेजस्वी ने सरकार

पर बड़े पैमाने पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि दिसंबर 2024 से अब तक सिर्फ छह से सात कैबिनेट बैठकों में 76,622 करोड़ रुपये की योजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें से अधिकांश निर्माण से संबंधित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 19 दिसंबर को एक ही कैबिनेट बैठक में 1,949 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। उन्होंने दावा किया, मंत्री इन परियोजनाओं पर 30 प्रतिशत कमीशन ले रहे हैं। तेजस्वी ने आरोप लगाया, चुनाव की लागत को कवर करने के लिए निविदाएं जल्दबाजी में जारी की जा रही हैं और स्थानीय ठेकेदारों को बाहरी लोगों के पक्ष में दरकिनार किया जा रहा है। उन्होंने इस स्थिति को सरकारी खजाने की लूट बताया। उन्होंने राज्य के बढ़ते कर्ज के बारे में भी चेतावनी दी और कहा कि ब्याज के रूप में सालाना 25,000-30,000 करोड़ रुपये चुकाए जा रहे हैं, जो राज्य की कुल उधारी का 8-9 प्रतिशत है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

योग्यता के आधार पर होना चाहिए रोजगार

आखिर हमारी व्यवस्था जा कहां रही है। इससे यह भी साफ हो जाता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चयनित नहीं होते हैं तो सवाल यह उठेगा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भी चपरासी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकें। वहीं किसी कारण से शिक्षा पूरी नहीं कर सकने वाले युवक दसवीं की परीक्षा ही पास कर सके हैं और चपरासी के पद के लिए योग्य है तो उच्च शिक्षितों, अनुभवियों के सामने उनके लिए तो चयन की संभावना लगभग शून्य की समझी जानी चाहिए।

देश में बेरोजगारी आज एक बड़ी समस्या बनी हुई है। सबसे ज्यादा बुरी स्थिती सरकारी नौकरी में है। एक तो सरकार के कई विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। सरकार वैकेंसी ही नहीं निकाल रही है। जब कभी वैकेंसी निकलती भी है तो छोटे-छोटे पदों के लिए हायर डिग्री वाले आवेदक आवेदन भर देते हैं। जिसके आंकड़े देखकर बेरोजगारी की भयावह तस्वीर सामने आती है जो डराने वाली होती है। अर्थात ज्यादा पढ़े लिखे लोगों के पास उनकी योग्यता के अनुसार काम नहीं मिल रहा है। तभी चपरासी की पोस्ट के लिए पोस्ट ग्रजुएट व इंजिनियरिंग के डिग्री धारक आवेदन कर रहे है। ये एक सोचनीय प्रयन है इसका जवाब सरकारों को ढूंढना होगा। इसे तरह कह मारामरी के लिए अब इसका शिक्षा व्यवस्था को ही दोष दिया जाए या बढ़ती बेरोजगारी या फिर सरकारी नौकरी का मोह माना जाये कि राजस्थान के सरकारी दफ्तरों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पदों में भर्ती के लिए मांगे गये आवेदन में 20 अप्रेल तक 23 लाख 65 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

मजे की बात यह है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 53749 पदों के लिए आवेदन के लिए निर्धारित योग्यता दसवीं पास होना है वहीं इस दसवीं पास के पद के लिए आवेदन करने वालों में पीएच. डी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट ही नहीं तकनीकी षिक्षा प्राप्त बीटेक और बीएड जैसी योग्यताधारी शामिल है। इसका मतलब यह हुआ कि आईएएस, आईपीएस, आरएएस, प्रोफेसर, शिक्षक या प्रदेशों की सिविल सर्विस व अन्य इसी तरह के उच्च पदों की योग्यता को पूरी करने वाले युवक रोजमर्रा की भाषा में कहें तो चपरासी की नौकरी के लिए आवेदन करने में किसी तरह का संकोच नहीं कर रहे हैं। यह हालात हमारी संपूर्ण व्यवस्था को प्रश्नों के घेरों में ख?ा कर देती हैं। आखिर हमारी व्यवस्था जा कहां रही है। इससे यह भी साफ हो जाता है कि उच्च शिक्षा प्राप्त चयनित नहीं होते हैं तो सवाल यह उठेगा कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले भी चपरासी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकें। वहीं किसी कारण से शिक्षा पूरी नहीं कर सकने वाले युवक दसवीं की परीक्षा ही पास कर सके हैं और चपरासी के पद के लिए योग्य है तो उच्च शिक्षितों, अनुभवियों के सामने उनके लिए तो चयन की संभावना लगभग शून्य की समझी जानी चाहिए। रोजगार के अवसर कम है पर उच्च अध्ययन प्राप्त युवाओं के चपरासी के पद के लिए आवेदन करना हमारी केवल शिक्षा व्यवस्था ही नहीं अपितु पूरी व्यवस्था पर ही सवाल खड़े कर रहे हैं। आखिर ऐसा क्या कारण है कि युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी नहीं मिल पा रही इससे यह तो साफ हो जाता है कि कहीं ना कहीं पूरी व्यवस्था में ही दोष है। एक और तो सातवें वेतन आयोग के बाद से युवाओं में सरकारी नौकरी का मोह बढ़ा है। फिर रही सही कसर हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने पूरी कर दी है जब चुनावों में मुख्य मुद्दा रोजगार को लेकर उठाया जाता है। चुनावों में रोजगार या यों कहें कि बेरोजगारी एक प्रमुख मुद्दा होना चाहिए इससे नकारा नहीं जा सकता है पर केवल सरकारी नौकरी का ही चस्मा दिखाया जाता है तो परिणाम फिर इसी तरह के आते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जन सरोकारों की प्रतिबद्धता हो शासन का लक्ष्य

गुरबचन जगत

मेरे अनुभव के मुताबिक बढ़िया शासन के लिए पैसे की ज़रूरत नहीं होती। इसके लिए फ़ील्ड और मुख्यालय में प्रभावशाली और ईमानदार अधिकारियों की ज़रूरत होती है। ऐसे लोग होते हैं, लेकिन उन्हें अवसर नहीं दिया जाता और धीरे-धीरे शीर्ष पर बैठे लोगों की हर कही बात को मान जाने वाले अफसर उनकी आंख के तारे बन जाते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ़ मेरी एकमात्र शिकायत यह है कि वे खुलकर अपना अधिकार इस्तेमाल नहीं करते, काम की निगरानी नहीं करते, जितना व्यावहारिक दृष्टिकोण होना चाहिए, उतना रखते नहीं। शासन चलाना कोई एक दिन का मामला नहीं है, न ही यह कोई क्षणिक काम है, यह कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं है, यह कोई बहुत बड़ा विज्ञापन नहीं है, यह केवल विज्ञापनों के माध्यम से तमाम त्योहार मनाना नहीं है। यह दिन-प्रतिदिन की मेहनत है, यह दिन-रात किए जाने वाला थकाऊ काम है।

इसके तहत आपको सौंपा गया काम करना है और इसे आपने उपलब्ध साधनों से पूरा करना है। यह सुनिश्चित करना कि लोगों को (जिनके कामों के लिए हम बने हैं) सुनवाई के लिए एक जगह से दूसरी जगह न भटकना पड़े। यह सुनिश्चित करना कि फाइलें बिना किसी रिश्वत के खुद-ब-खुद आगे बढ़ें। ऐसा करने की कोशिश करें और लोगों के चेहरों पर संतुष्टि पाएं (हालांकि उन्हें उनका हक देकर आप उन पर अहसान नहीं करेंगे) - हां आपने उन्हें 'न्याय और विकास' जरूर दे दिया। वे इलाके से आपके जाने के बाद भी लंबे समय तक आपको याद रखेंगे, लेकिन अधिकांशत: आपका काम गुमनाम और दिखने में सामान्य ही होगा, जैसे किसी सुचारू मशीन के कलपुर्जेज मर्सिडीज़ चलाते समय उसका इंजन नहीं दिखता, लेकिन इसको चलाने या सफर का अहसास शानदार होता है। तथ्यों-नियमों के अनुसार न्याय करें और विकास परियोजनाओं को नियमानुसार समय पर पूरा करने में मदद करें। कई अवसरों पर आपकी नौकरी आपको उन परियोजनाओं या घटनाओं का हिस्सा बनने और उनमें योगदान देने का मौका देती है, जो इतिहास में दर्ज हो जाते हैं।

ऐसे कई नाम हैं जो हमारी आज़ादी के शुरुआती सालों का हिस्सा थे - होमी जहांगीर भाभा को हमेशा 'भारतीय परमाणु कार्यक्रम के पितामह' के रूप में याद किया जाता है, पाकिस्तान से आए लाखों शरणार्थियों के पुनर्वास का श्रेय डॉ. एमएस रंधावा (पुनर्वास महानिदेशक) को जाता है जिन्होंने आगे

हरित क्रांति और चंडीगढ़ के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ को भारतीय सशस्त्र बलों और 1971 की जीत में उनके अपार योगदान के लिए याद करते हैं। कदाचित ? ये स्वतंत्र भारत के इतिहास के कद्दावर उदाहरण हैं, लेकिन ये ऐसी मिसालें हैं जिन्होंने हमारे प्रारंभिक वर्षों में हमें प्रेरित किया, और वे अकेले नहीं थे। उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों के काबिल और काफी प्रेरित अधिकारियों एवं टीम का साथ प्राप्त था। बिना कोई सुरक्षा कवच प्राप्त मेजर कुलदीप सिंह चांदपुरी के नेतृत्व में पंजाब रेजिमेंट की 23वीं बटालियन की 'ए' कंपनी ने अत्यंत भारी पाकिस्तानी हमले (दो टैंक रेजिमेंट) के बावजूद जिस तरह रातभर डटे रहकर लोंगेवाला चौकी को बचाए रखा, उसे सदा भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और व्यावसायिकता के लिए याद रखा जाएगा। जब मैं पुलिस सेवा में आया तो प्रशासनिक कार्यों में दौरे और नियमित निरीक्षण करना काम का एक अहम हिस्सा थे। जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से निर्धारित थी और जवाबदेही भी एक तय चीज़ थी। उस समय की प्रशासनिक व्यवस्था और अधिकारियों ने अपने मातहतों को काम करने की आजादी सुनिश्चित कर रखी थी और लोग काम करते भी थे। आज जबकि तमाम किस्म की तकनीकें और बुनियादी ढांचा मौजूद हैं, तो हालात देखकर दुख होता है। प्रशासन जोर-जबरदस्ती के दम पर नहीं 'इकबाल' (साख) के जरिए होता है, यह सूक्ति पुरानी सही लेकिन आज और भी उपयुक्त है।

बीते वक्त में अधिकारी खुद वस्तुस्थिति का जायजा लेने और जनता से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए क्षेत्र में समय बिताते थे। नागरिक समाज के सभी स्तरों से सूचना और प्रतिक्रिया पाने वाली एक विस्तृत प्रणाली थी। ईमानदारी से कहूं तो आज सरकार के कितने सचिव या विभागाध्यक्ष अपने विभाग के अंतर्गत चल रही परियोजनाओं को देखने के लिए नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करते हैं? कितने डीएम/एसएसपी अपने कार्यक्षेत्र में एक महीने में दस रातें बिताते हैं या गांवों का दौरा करते हैं। इन्हीं चीज़ों की बदौलत हमें अपने काम में सफलता मिल पाई थी। आज अधिकारी बिना मतलब के फ्लैग मार्च और प्रेस कॉन्फ्रेंस करने लगते हैं और फोटो खिंचवाते हैं। फ्लैग मार्च कानून-व्यवस्था की स्थिति बहुत गंभीर बनने पर किए जाते हैं।

राष्ट्रीय संस्कृति संवेदनशीलता की संवाहक पुस्तकें

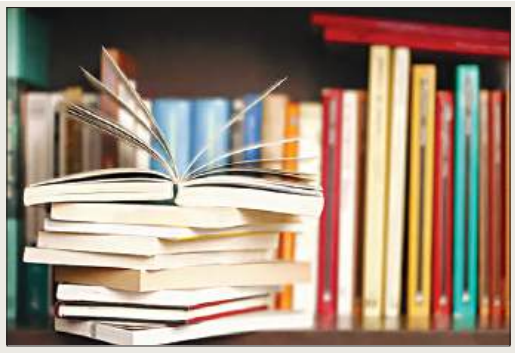

योगेश कुमार गोयल

आज के डिजिटल युग में, जब सोशल मीडिया, मोबाइल एप्स और त्वरित सूचना के स्रोत हमारे चारों ओर फैले हुए हैं, ऐसे समय में किताबों की प्रासंगिकता और उनके महत्व को नए सिरे से समझना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। 23 अप्रैल को मनाया जाने वाला 'विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस' न केवल पुस्तकों के महत्व की याद दिलाता है, बल्कि यह दिन हमें यह सोचने को भी विवश करता है कि पुस्तकें क्यों हमारे जीवन का अविभाज्य हिस्सा बनी रहनी चाहिए। पुस्तकों का संसार एक ऐसा अद्भुत संसार है, जो न केवल ज्ञान देता है, बल्कि भावनाओं, विचारों और कल्पनाओं को भी नई रोशनी प्रदान करता है।

यूनेस्को द्वारा 1995 में शुरू किया गया यह दिवस लेखकों, प्रकाशकों और पाठकों को एक साझे मंच पर लाकर पुस्तकों के संरक्षण और उनके प्रचार-प्रसार की दिशा में वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दरअसल, यह दिन विश्वप्रसिद्ध साहित्यकार विलियम शेक्सपियर, मिगुएल दे सर्वांतेस तथा स्पेनी लेखक इंका गार्सिलासो दे ला वेगा की पुण्यतिथि का प्रतीक है। यह दिन इस विचार से जुड़ा है कि पुस्तकें किसी देश अथवा भाषा तक सीमित न रहकर विश्व सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा होती हैं। आज जब सूचना के स्रोतों की भरमार है, तब पुस्तक पढ़ने की संस्कृति तेजी से क्षीण होती जा रही है। बच्चों से लेकर युवाओं और वयस्कों तक, हर कोई डिजिटल उपकरणों से इतना जुड़ गया है कि पुस्तकों को समय देना अब एक 'पुरानी आदत' मानी जाने लगी है। विश्व पुस्तक दिवस का उद्देश्य लोगों में पुस्तकों के प्रति लगाव बढ़ाना, लेखकों और प्रकाशकों को वैश्विक सम्मान देना, कॉपीराइट जैसे संवेदनशील विषयों पर जागरूकता फैलाना और पढ़ने की आदत को जीवन का हिस्सा बनाना है। यह सर्वविदित है कि पढ़ना न केवल ज्ञानार्जन का माध्यम है, बल्कि यह ध्यान केंद्रित करने, सोचने की क्षमता बढ़ाने, कल्पनाशीलता को विकसित करने और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को सुदृढ़ करने में भी सहायक है। जब हम किसी पुस्तक के पन्ने पलटते हैं, तो हमारा मस्तिष्क लेखक की कल्पनाओं में प्रवेश करता है, चरित्रों से जुड़ता है और किसी कथा को गहराई से समझने का प्रयास करता है। यह प्रक्रिया मस्तिष्क की उन क्षमताओं को विकसित करती है, जो यंत्रवत सूचना को केवल ग्रहण करने से नहीं हो सकतीं।

इस विषय में विभिन्न न्यूरो-साइकोलॉजिकल शोधों से यह स्पष्ट हुआ है कि नियमित रूप से पुस्तक पढ़ने वाले बच्चों की स्मरण-शक्ति, संज्ञानात्मक कौशल और भाषा दक्षता, उन बच्चों की तुलना में कहीं बेहतर होती है, जो अधिकांश समय स्क्रीन पर बिताते हैं। भारत में पुस्तक संस्कृति के गिरते ग्राफ को लेकर सबसे बड़ी चिंता यह है कि देश की बहुसंख्यक युवा आबादी की पढ़ने की आदत तेजी से घट रही है। अध्ययन बताते हैं कि औसतन एक भारतीय प्रति वर्ष केवल दो या तीन किताबें ही पढ़ता है। यह संख्या विकसित देशों की तुलना में काफी कम है।

हालांकि, भारत में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय जैसे संस्थान नियमित रूप से पुस्तक मेलों का आयोजन करते हैं। प्रश्न यह है कि क्या यह आयोजन आम जनमानस के भीतर पुस्तकों के प्रति दीर्घकालिक लगाव उत्पन्न कर पाता है? एनबीटी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बाल साहित्य की बाजार हिस्सेदारी लगभग 26 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, लेकिन इस साहित्य का ग्रामीण क्षेत्रों और सरकारी स्कूलों में व्यापक प्रसार अब भी सीमित है। बच्चों को बाल साहित्य तक पहुंचाने के लिए स्कूलों और सार्वजनिक पुस्तकालयों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। 'यू डायस प्लस 2022-23' रिपोर्ट के अनुसार, भारत के सरकारी और निजी स्कूलों के पुस्तकालयों में प्रति छात्र औसतन 3.8 पुस्तकें उपलब्ध हैं। आज जब देश शिक्षा के डिजिटलीकरण की दिशा में तेजी से अग्रसर है, तो यह और अधिक आवश्यक हो जाता है कि हम बच्चों को केवल स्क्रीन पर आश्रित न करें, बल्कि उन्हें संतुलित रूप से डिजिटल और मुद्रित सामग्री के संपर्क में लाएं। वहीं स्कूली पाठ्यक्रमों में रोचक और प्रेरणादायक साहित्य को समाविष्ट करने, स्थानीय भाषाओं में गुणवत्तापूर्ण बाल साहित्य प्रकाशित करने और पुस्तकालयों को नवाचार केंद्र बनाने की आवश्यकता है। कॉपीराइट का मुद्दा भी इस दिवस का एक अहम पक्ष है। डिजिटल माध्यमों पर तेजी से हो रही साहित्यिक चोरी और मूल रचनाओं के अनधिकृत उपयोग ने लेखकों और प्रकाशकों को गंभीर संकट में डाल दिया है।

निस्संदेह, पुस्तकें किसी भी समाज की संवेदनशीलता, उसकी सोच, उसकी परंपराओं और उसकी आत्मा की संवाहक होती हैं। वे हमारे विचारों को दिशा देती हैं, नैतिकता की ओर प्रेरित करती हैं और आत्ममंथन की प्रक्रिया को जीवंत बनाए रखती हैं। आज आवश्यकता है कि हम व्यक्तिगत स्तर पर पढ़ने की आदत को पुनर्जीवित करें। बच्चों के साथ मिलकर पुस्तकें पढ़ना, स्कूली शिक्षा में पुस्तकालय पीरियड को अनिवार्य बनाना, सामुदायिक पुस्तकालयों को पुनर्जीवित करना, बुक क्लबों का गठन करना और पुस्तकों को उपहार स्वरूप देना— ये कुछ ठोस उपाय हैं जो पुस्तक-संस्कृति को पुन: जीवंत कर सकते हैं। पुस्तकें भविष्य निर्माण का औजार हैं। वे हमें हमारी जड़ों से जोड़ती हैं और हमें वह दृष्टि देती हैं, जो एक उत्तरदायी नागरिक के रूप में आवश्यक है।

हिमाचल प्रदेश की ये हैं पांच ऑफबीट जगहें

भूल जाएंगे शिमला-मनाली

किसी हिल स्टेशन पर घूमने की योजना बनाते ही सबसे पहले शिमला -मनाली का नाम याद आता है। हालांकि शिमला मनाली इतने अधिक लोकप्रिय स्थान हैं कि यहां लगभग सालभर पर्यटकों की भीड़ रहती है। ऐसे में पहाड़ी सुंदरता और प्राकृतिकता का आनंद शांत माहौल में ले पाना संभव नहीं होता। साथ ही इस स्थानों पर सफर का खर्च भी अन्य पर्यटन स्थलों की तुलना में महंगा होता है। लेकिन शिमला-मनाली जैसे नजारे कम पैसों और शांत माहौल के साथ भी मिल सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में कई ऐसी ऑफबीट जगहें हैं, जहां आप 2000 रुपये के अंदर घूम सकते हैं। अगर आप शिमला-मनाली जैसी भीड़भाड़ वाली जगहों से हटकर शांत, सस्ती और खूबसूरत स्थलों पर घूमना चाहते हैं, तो हिमाचल प्रदेश में कई बेहतरीन विकल्प मौजूद हैं।

काजा

हिमाचल प्रदेश के काजा में तिब्बती संस्कृति और मोनेस्ट्री का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। काजा की यात्रा के लिए रिकांग पियो तक बस से पहुंच सकते हैं। आगे की यात्रा टैक्सी या बस के जरिए करें। इस अनोखे पर्यटन स्थल पर एक दिन बिताने का खर्च लगभग 1000 रुपये से 2000 रुपये तक आएगा। यहां प्राचीन मोनेस्ट्री, अनोखी तिब्बती संस्कृति, स्पीति घाटी की खूबसूरती को करीब से देख सकते हैं।

शानगढ़

हरे-भरे मैदानों के बीच शांति का अनुभव प्राप्त करने के लिए शानगढ़ की यात्रा करें। यहां पहुंचने के लिए दिल्ली से ओट की रात्रि बस लें। फिर टैक्सी या स्थानीय बस से शानगढ़ जाएं। शानगढ़ यात्रा खर्च लगभग 1000 रुपये से 2000 प्रति दिन का आएगा। इस हिल स्टेशन पर हरियाली से ढके पहाड़, पारंपरिक हिमाचली घर, एकांत माहौल का आनंद उठाया जा सकता है।

धर्मकोट

हिमाचल प्रदेश का धर्मकोट शांति और मेडिटेशन का केंद्र माना जा सकता है। धर्मकोट की यात्रा के लिए आपको मैक्लोडगंज तक बस मिल जाएगी। वहां से टैक्सी या शॉर्ट ट्रेकिंग करके गंतव्य तक पहुंचें। यहां प्रतिव्यक्ति एक दिन का खर्च लगभग 500 रुपये से 1500 रुपये हो सकता है। धर्मकोट में घूमने के लिए मेडिटेशन सेंटर, खूबसूरत कैफे और धौलाधार रेंज के शानदार नजारे हैं।

चितकुल

चितकुल को भारत-तिब्बत रोड पर मौजूद भारतीय सीमाओं के अंदर स्थित आखिरी गांव कहा जाता है। ये गांव सांगला से 28 किमी की दूरी पर किन्नौर घाटी में 3450 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। चितकुल अपने कई खूबसूरत और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। इस गांव के पहाड़, विशाल चट्टानें, नदी, जंगल और घास के मैदान इस गांव की खूबसूरती में चार - चांद लगा देते हैं। चितकुल पहुंचने के लिए शिमला से सांगला के लिए बस या टैक्सी मिलेगी। यहां से चितकुल की यात्रा कर सकते हैं। यहां प्रतिदिन का खर्च लगभग 800 रुपये से 1500 रुपये हो सकता है। चितकुल में लकड़ी के पारंपरिक घर, शांत नदी के किनारे का नजारा और पहाड़ी जीवनशैली करीब से देखने को मिल सकती है।

शोजा

झरनों और जंगलों के बीच शांति का एहसास हासिल करना चाहते हैं तो शोजा की यात्रा कर सकते हैं। भुंतर से बरशैनी तक ट्रैकिंग करके शोजा तक पहुंचा जा सकता है। शोजा की यात्रा का खर्च भी दो हजार रुपये के अंतर्गत आ सकता है। हिमाचल के इस स्थान पर खूबसूरत झरने, घने जंगल और पहाड़ों से शानदार सूर्यास्त का नजारा देखा जा सकता है।

हंसना मना है

संजय-'हाल ही में पैदा हुआ तुम्हारा भाई इतना रोता क्यों है?' अजय-'बात ये है कि यदि तुम्हारे एक भी दांत न हो, सिर गंजा हो, पैर इतने दुर्बल हों कि आप खड़े भी न हो सको। ऐसी हालत में मेरा ख्याल है कि तुम्हें भी रोना आएगा।

बैंक मैनेजर-'तो आखिर आपने बीवी को तलाक दे दिया।' अकाउन्ट होल्डर-'आपको कैसे पता चला?' मैनेजर-'आपके अकाउंट में रकम बढ़ती जा रही है।'

शशि-'ऑटोग्राफ देना कब बेहतर नहीं लगता?' विनोद-'जब पत्नी को चेक बुक पर देना पड़े।

टीचर- इतने दिन कहां थे, स्कूल क्यों नहीं आए? गोलू- बर्ड फ्लू हो गया था मैम। टीचर- पर ये तो पक्षियों को होता है इंसानों को नहीं। गोलू- इंसान समझा ही कहां आपने...रोज तो मुर्गा बना देती हो..!!

पत्नी-'मैं तुमसे जो भी कहती हूं आप एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हो।' पति-'किन्तु मैं जो कहता हूं आप उसे दोनों कानों से सुनकर मुंह से निकाल देती हो।'

सुरेश-'अरे प्रकाश! हाथ में चोट कैसे लगी।' प्रकाश-'मैंने गाय के दांत गिनने के लिए उसके मुंह में हाथ डाला। उसने मेरी उंगली गिनने के लिए मुंह बन्द कर लिया।'

कहानी | बुरा करने का फल बुरा ही होता है

एक बार किसी गांव से तीन भाई धन कमाने के लिए परदेश रवाना हुए। रास्ते में उन्हें उन्हीं की तरह यात्रा पर निकला किसान मिला, जिसके पास कुछ धन था। सभी भाइयों के मन में किसान को ठगने का विचार आया। उन्होंने उसे यात्रा में साथ ले लिया। रात को वे एक मंदिर में रुके तो तीनों भाइयों ने किसान को खाना लेने भेजा। जब वह खाना लेकर आया तो उसे किसी काम में उलझाकर अधिकांश खाना तीनों ने खा लिया। किसान बेचारा अधपेटा ही रह गया। वह आगे के लिए सावधान हो गया। अगले दिन जब किसान को उन्होंने लड्डू लाने के लिए भेजा तो किसान ने अपना हिस्सा पहले ही खा लिया। कम लड्डू देखकर तीनों ने कहा कि तुमने हमारे बिना लड्डू कैसे खा लिए?' किसान ने एक और लड्डू मुंह में उठाकर रखा और कहा कि ऐसे।' तीनों मन मसोसकर रह गए और बाद में किसान से बदला लेने का निश्चय किया। परदेश में धन कमाकर लौटने से पहले तीनों ने किसान से रात को खीर बनवाई और कहा कि जिसे सबसे अच्छा सपना आएगा, वही इस खीर को सुबह खाएगा।' चतुर किसान ने उनके सोने के बाद सारी खीर खा ली। सुबह तीनों भाइयों ने सपने सुनाने शुरू किए। एक ने कहा कि मैंने जयपुर नरेश को सपने में मेरा सत्कार करते देखा।' दूसरा बोला कि मैं ओरछा दरबार में राजा के साथ नर्तकियों का नृत्य देख रहा था।' तीसरे ने कहा कि मैं तो सपने में मक्का पहुंच गया।' इसके बाद किसान बोला, 'सपने में मुझे एक बलिष्ठ आदमी ने खूब मारा और सारी खीर खाने को बाध्य कर दिया।' यह सुनते ही तीनों चिल्लाए, 'तूने हमें जगाया क्यों नहीं? हम तुझे बचा लेते।' किसान बोला, 'कैसे जगाता? तुम तीनों तो तीन अलग शहरों में थे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ
शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

मिथुन 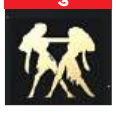
अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा।

कर्क
धनहानि संभव है, सावधानी रखें। शत्रु शांत रहेंगे। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें।

सिंह
कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कन्या
पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीर्वाद मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे।

तुला
पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे।

वृश्चिक
कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा।

धनु 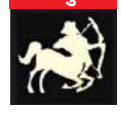
जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। प्रमाद न करें।

मकर
यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा।

कुम्भ
जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है।

मीन
व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा।

बॉलीवुड | विरोध

पहलगाम हमला: अबीर गुलाल के बहिष्कार की उठी मांग

यूजर बोला- पाक अभिनेता वाली फिल्म के रिलीज की इजाजत नहीं देनी चाहिए

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद देश में शोक की लहर है। ऐसे में कई सोशल मीडिया यूजर फिल्म अबीर गुलाल का बहिष्कार करने की अपील कर रहे हैं। फिल्म अबीर गुलाल में पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान के साथ अभिनेत्री वाणी कपूर हैं। दोनों ने फिल्म में रोमांस किया है। इस फिल्म पर पहले से भी विवाद हो रहा है। फिल्म अबीर गुलाल का निर्देशन आरती एस बागड़ी कर रही हैं। रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हाल ही में जम्मू व कश्मीर के पहलगाम इलाके में आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। ऐसे में सोशल मीडिया पर एक धड़े ने फिल्म अबीर गुलाल के बहिष्कार की मांग शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा भारत के किसी भी सिनेमा में अबीर गुलाल की रिलीज की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। एक दूसरे यूजर ने लिखा है कि क्या हम अभी भी पाकिस्तानी अभिनेता वाली फिल्म अबीर गुलाल के रिलीज की इजाजत देने वाले हैं? एक और यूजर ने लिखा है क्या भारतीय सिनेमा अभी भी पाकिस्तानी अभिनेताओं के पक्ष में है? जानकार बताते हैं कि फिल्म अबीर गुलाल रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान को लिए जाने के लिए फिल्म निर्माताओं की कड़ी आलोचना हो रही है। राजनीतिक पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना इस फिल्म के महाराष्ट्र में रिलीज होने के खिलाफ है। पार्टी काफी पहले से पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने के खिलाफ है। पार्टी ने सिनेमा मालिकों को चेतावनी भी दी है।

हमले की फिल्म जगत ने की कड़ी निंदा

एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने जैसा: सलमान

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में बीते मंगलवार को आतंकवादियों ने टूरिस्टों को बर्बर तरीके से मौत के घाट उतार दिया। इस हमले से पूरा देश सदमे में है। जानकारी के मुताबिक इस दर्दनाक हमले में अभी तक 26 मासूमों की जान चली गई है। इस मामले पर देशभर के लोग आक्रोश जाहिर कर रहे हैं। इस घटना पर अक्षय कुमार से लेकर संजय दत्त समेत कई सेलेब्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी थी। अब इस दुखद घटना पर शाहरुख खान और सलमान खान जैसे दिग्गज सितारों ने न्याय की मांग करते हुए इस जघन्य अपराध की कड़ी निंदा की है। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता सलमान खान ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, धरती का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर नर्क में बदलता जा रहा है। निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, मेरी संवेदनाएं उनके परिवारों के साथ हैं। एक भी मासूम को मारना पूरी कायनात को मारने के बराबर है।

दिल दहला देने वाली घटना: अनिल कपूर

अभिनेता अनिल कपूर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपनी स्टोरी में लिखा कि यह पहलगाम की दर्दनाक घटना दिल दहला देने वाली है। साथ ही उन्होंने शांति स्थापति होने और परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

अनुष्का ने कहा- कभी ना भूलने वाला हमला

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए निर्दयी आतंकी हमले के बारे में सुनकर दिल टूट गया। उनके परिवारों के प्रति संवेदना। यह एक दर्दनाक हमला है, जिसे भुलाया नहीं जा सकेगा।

यह दिल तोड़ देने वाली घटना है: करण जौहर

फिल्म निर्माता करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इसमें उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले की एक पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा कि यह दिल तोड़ देने वाली घटना है। साथ ही उन्होंने इस जघन्य अपराध में पीड़ित परिवारों को संवेदना दी है।

चिरंजीवी के साथ फिल्म करेंगे नानी

बोले- फिल्म के बारे में अभी बताना जल्दबाजी होगी

एक्टर नानी की फिल्म हिट 3 रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म की रिलीज से पहले नानी ने साउथ निर्देशक से हाथ मिलाया है। इस फिल्म में नानी के साथ चिरंजीवी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। जब एक इंटरव्यू में नानी से चिरंजीवी और ओडेला की फिल्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने इसे खास अनुभव बताया और चिरंजीवी के व्यवहार की तारीफ की। नानी ने कहा, मैं चिरंजीवी गारू से कई बार मिला, लेकिन इस बार खास था। उन्होंने पहले खाना खाने को कहा। मैंने सुझाव दिया कि चिरंजीवी और श्रीकांत को फिल्म करनी चाहिए। वे मेरे आइडिया से खुश हुए। अभी उस फिल्म के बारे में ज्यादा बात करना जल्दबाजी होगी। फिल्म द पैराडाइज की रिलीज के बाद ही इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू होगा। चिरंजीवी और नानी एक फिल्म में नजर आएंगे। इस बात से बेहद उत्साहित हैं फैंन, लेकिन फिल्म का काम अभी शुरू नहीं हुआ है, जो फैंस के लिए थोड़ी निराशा की बात है। मेकर्स चिरंजीवी के साथ एक सीनियर बॉलीवुड हीरोइन को कास्ट करना चाहते हैं, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई। फिल्म का निर्माण एसएलवी सिनेमा के सुधाकर चेरुकुरी करेंगे।

अजब-गजब | 90 किलो का घड़ियाल मारकर खा गई लड़की!

दिखने में है बेहद नाजुक, काम कसाइयों से भी बदतर...

आप जब भी चीन के बारे में सोचते हैं, आपके दिमाग में अगर टेक्नोलॉजी और इंजीनियरिंग आती है, तो उससे पहले कीड़े-मकोड़े खाते हुए लोग आ जाते होंगे। चीन में लोगों को खाने के लिए ज्यादा सोचने की ज़रूरत नहीं होती, वो न्यूट्रिशन के नाम पर कुछ भी पकाकर खा लेते हैं। कई बार तो वे कच्चे ही कीड़े-मकोड़ों को चबा जाते हैं। एक ऐसी ही वहशी लड़की खुद को फूड ब्लॉगर बताने वाली ये लड़की दिखने में जितनी नाजुक और मासूम लग रही है, उसका काम इससे कहीं ज्यादा भयानक और खतरनाक है। उसने अपने वज़न से करीब दोगुने वज़न वाले खूंखार जानवर को मारा और खा गई। उसका ये वीडियो पूरे चीन में विवाद की वजह बन चुका है क्योंकि यहां पर मगरमच्छ और घड़ियाल कोई बिना लाइसेंस के यूं ही पकाकर नहीं खा सकता। चीन की रहने वाली शू नियांग शाओ हे नाम की लड़की खाने-पीने से जुड़े हुए वीडियो बनाती है। उसके चीन के टिकटॉक वर्जन Douyin पर 3.5 मिलियन फॉलोअर्स भी हैं, जिन्हें उसने अपनी एक हरकत से दंग कर दिया। उसने अपने एक शॉर्ट वीडियो में एक घड़ियाल को घर पर ही मारकर पकाने और खाने की रेसिपी बताई। वो दंग करने वाली इस फुटेज में पहले 90 किलो के घड़ियाल को ज़िंदा ही साफ करती है। उसे बड़े ब्रश से धोने के बाद वो उसे मारती है और फिर स्किन उतारकर इसका मीट निकालती है। लड़की फिर घड़ियाल के मीट को अलग-अलग तरीके से पकाकर खाती भी है। इस वीडियो ने चीन में भी तहलका मचा रखा है और लड़की को सोशल मीडिया पर बैन करने की मांग उठने लगी है। लड़की इस पर सफाई देते हुए कह रही है कि ये एक कृत्रिम तरीके से पाला गया घड़ियाल था, जिसे चमड़े के प्रोडक्ट के लिए ब्रीड किया गया। आखिरकार उसकी जान जानी ही थी, ऐसे में उसने वीडियो के लिए इसे इस्तेमाल किया। एनिमल क्रुएलिटी के मामले में इस ब्लॉगर की आलोचना तो हो रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

ये कपल बच्चों के साथ निकल जाए बाहर, तो लोग देने लगते हैं गालियां!

दुनिया में तरह-तरह के लोग मौजूद हैं, जिनके बारे में सुनकर ही आपका दिमाग चकरा जाएगा। ऐसा ही एक कपल है, जिसे अपनी रोज़ाना की ज़िंदगी में ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ता है। यूं तो ये खुशहाल परिवार है, जिसमें पति-पत्नी और उनके 2 बच्चे भी हैं लेकिन इन्हें कोई एडोरेबल या प्यारा नहीं कहता बल्कि देखते ही लोग गुस्सा हो जाते हैं। ये कहानी है 22 साल की लिंडसे एश्टन और उनके पति जॉन की। लिंडसे की लंबाई सिर्फ और सिर्फ 4 फीट 10 इंच है, जिन्हें देखने के बाद कोई यकीन ही नहीं कर पाएगा कि वो बड़ी हैं और उनकी शादी भी हो चुकी है। उनकी उम्र तो बढ़ रही है लेकिन आप जब उन्हें देखेंगे तो कहीं से भी वो 20-22 साल की नहीं लगेंगी। उन्हें देखने से आप उन्हें ज्यादा से ज्यादा 12-13 साल का ही जज कर पाएंगे। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक लिंडसे का सिर्फ शरीर ही 12 साल की बच्ची जैसा नहीं है बल्कि उसकी आवाज भी ऐसी है कि वो बच्ची लगती है। लोगों को लगता है कि उनके पति जॉन भी उन्हें बच्चा ही मानते हैं, हालांकि कपल के अपने भी 2 बच्चे हैं। खुद जॉन भी बताते हैं कि वो अपनी पत्नी को 12-13 साल की बच्ची ही समझ बैठे थे। लव डोंट जज के पॉडकास्ट में बात करते हुए लिंडसे की मां ने बताया उन्होंने खुद जॉन से पूछा था कि वो कितने साल के हैं और क्या वो सिंगल हैं? इसके बाद उनकी शादी हो गई थी और पिछले 6 साल से दोनों एक साथ हैं। लिंडसे अपने दोनों बच्चों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। लोग उनकी तारीफ करने के बजाय भद्दे कमेंट करना शुरू कर देते हैं। कुछ लोग उनकी प्रेग्नेंसी पर कमेंट करते हैं तो कुछ लोग उनके पति की मंशा पर भी सवाल उठाते हैं। लोगों के कमेंट से परेशान होकर उनके पति ने बाहर जाना भी कम कर दिया है क्योंकि लोग उन पर पत्नी की उम्र को लेकर चिल्लाने तक लगते हैं। वो बात अलग है कि अपने दोनों बेटों के साथ कपल काफी खुश है।

भाजपा ने पार्क के नाम पर हिमाचल को लूटा : सुक्खू

» सीएम बोले- प्रदेश के हित दरकिनार किए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने मेडिकल डिवाइस पार्क के नाम पर प्रदेश की संपदा को लुटने का काम किया। प्रदेश के हित दरकिनार कर पार्क को लेकर समझौते किए गए। प्रदेश सरकार ने केंद्र का पैसा ब्याज सहित लौटा दिया है। मुख्यमंत्री ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से तथ्यों पर आधारित बयानबाजी करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सरकार ने मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए 1,500 बीघा भूमि 12 लाख रुपये में दी।

पार्क 1,500 बीघा भूमि पर बनना था, उसमें ये शर्त रखी गई कि जो उद्योगपति आएंगे, उन्हें सरकार 1 रुपये वर्ग मीटर के हिसाब से भूमि देगी। उद्योग लगाने पर 10 वर्ष तक बिजली 3 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से देने की बात कही जबकि अक्तूबर से मार्च तक सरकार 7 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली खरीदती है। इसके अलावा पानी, रखरखाव और गोदाम की सुविधा 10 वर्षों तक बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराने की शर्त भी केंद्र सरकार ने लगा रखी थी। इसमें प्रदेश का हित कहां था। वर्तमान सरकार ने मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए जो 25 करोड़ रुपये आए थे, उसे ब्याज सहित लौटा दिया। सरकारें आती हैं और चली जाती हैं लेकिन प्रदेश की जनता का भला तब होगा, जब संपदा को सही इस्तेमाल किया जाएगा।

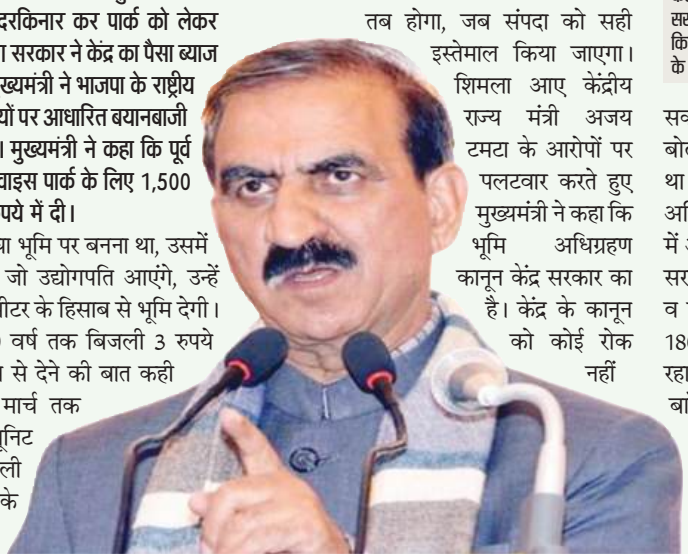

शिमला आए केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टमटा के आरोपों पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि अधिग्रहण कानून केंद्र सरकार का है। केंद्र के कानून को कोई रोक नहीं सकता। ऐसे में केंद्रीय राज्य मंत्री को कुछ भी बोलने से पहले पूरे तथ्यों का पता लगा लेना चाहिए था। राज्य में रेलवे व फोरलेन निर्माण के लिए भू अधिग्रहण का काम चल रहा है। कांग्रेस ने सत्ता में आते ही इन कार्यों में तेजी लाई है। पूर्व जयराम सरकार के समय शिमला-मटौर, नालागढ़-पिंजौर व पठानकोट से मंडी के फोरलेन परियोजना का 1800 करोड़ रुपये तीन वर्ष तक ट्रेजरी में पड़ा रहा। केंद्रीय मंत्री चाहें तो नितिन गडकरी से इसके बारे में पूछ सकते हैं। उन्होंने का कि जब भू अधिग्रहण के काम हो रहे हैं तो केंद्रीय राज्य मंत्री को रुकावट कहां लग रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रामक और झूठा प्रचार करना भाजपा का स्वभाव बन चुका है।

तथ्यहीन बयानबाजी से गुमराह कर रही भाजपा

मुख्यमंत्री ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में भी भाजपा सोची समझी साजिश के तहत जनता को गुमराह करने के लिए तथ्यहीन बयानबाजी कर रही है। कांग्रेस की राष्ट्रय नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी ने झूठी चार्जशीट दायर करने की कोशिश की है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की ओर से कांग्रेस नेताओं को प्रताड़ित करने का कार्य किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी जल्द ही केंद्र सरकार और भाजपा के झूठ का तथ्यों के साथ जवाब देगी।

राजनीतिक नारे लगाने से नहीं खत्म होगा आतंकवाद : पीके

» प्रशान्त किशोर ने की पहलगाम हमले की निंदा

» सीएम नीतीश और मोदी पर भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भागलपुर। जनसुराज उद्घोष यात्रा के तहत बिहार के राजनीतिक रणनीतिकार और जनसुराज अभियान के सूत्रधार प्रशांत किशोर (पीके) बुधवार को भागलपुर के दौरे पर रहे। इस दौरान अतिथि गृह में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने घटना को अत्यंत दुखद और निंदनीय बताते हुए कहा कि निहत्थे पर्यटकों पर गोली चलाने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी और निर्णायक कार्रवाई की जरूरत है।

पीके ने कहा कि यह साफ है कि केवल राजनीतिक नारे लगाकर आतंकवाद को खत्म नहीं किया जा सकता। इसके लिए व्यापक नीति, संकल्प और सशक्त लड़ाई जरूरी है। उन्होंने कहा कि बार-बार होने वाले ऐसे हमलों से देश को आहत किया जा रहा है और यह सरकार की रणनीतिक विफलता का भी प्रमाण है। प्रशांत किशोर ने आगामी 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मधुबनी दौरे पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री की रैली के लिए भीड़ जुटाने के लिए बिहार की गरीब जनता के पैसे का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को रैली करनी है तो उन्हें पार्टी के खाते में जमा करोड़ों रुपये खर्च करने चाहिए, न कि जनता की गाढ़ी कमाई।

'2025 के बाद मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे नीतीश कुमार'

प्रशांत किशोर ने इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने पत्रकारों से साफ शब्दों में कहा कि लिख लीजिए, 2025 के विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे। उन्होंने नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के संभावित राजनीतिक प्रवेश पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें अभी किसी नेता के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

घरेलू मैदान पर जीत की तलाश में उतरेगी आरसीबी

» राजस्थान से मुकाबला आज, मौसम साफ रहने की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। आईपीएल के 42वें मैच में आज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। यह मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 8 मैच में 5 जीत और 3 हार के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछला मैच सात विकेट से जीता था। उन्होंने घरेलू मैदान पर तीनों मैच गंवाए हैं। वह घरेलू मैदान पर अपना रिकॉर्ड सुधारने के लिए उत्सुक होंगे।

अपने घर में तीनों मैच हार चुकी है बेंगलुरु

दूसरी ओर, राजस्थान रॉयल्स 8 मैच में सिर्फ 2 जीत और 6 हार के साथ अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। उन्हें अपने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दोनों टीमें एक महत्वपूर्ण जीत हासिल करने के लिए प्रयासरत हैं। ऐसे में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच में कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कैंप चोट को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है। राजस्थान रॉयल्स की पावरप्ले गेंदबाजी दो हिस्सों की कहानी रही है, जोफ्रा आर्चर, और शेष अन्य सभी। वहीं मौसम विभाग के अनुसार मैच में बारिश होने की कोई उम्मीद नहीं है।

ऑलराउंड प्रदर्शन से मुंबई की चौथी जीत

हैदराबाद। ट्रेंट बोल्ट की घातक गेंदबाजी और रोहित शर्मा की अर्धशतकीय पारी के दम पर मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हरा दिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने हेनरिक क्लासेन की 71 रनों की पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 143 रन बनाए। जवाब में पांच बार की विजेता टीम ने 15.4 ओवर में तीन विकेट खोकर 146 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुंबई लगातार चौथी जीत के साथ अंक तालिका में 10 अंक और 0.673 के नेट रन रेट के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गई। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद आठ में छह मैच गंवाकर नौवें स्थान पर है। हिटमैन इस मैच में एक बार फिर अर्धशतकीय पारी खेलने में कामयाब हुए।

मेयर चुनाव में कांग्रेस ने आप से मांगा साथ

» दिल्ली में चुनाव को लेकर केजरीवाल और आतिशी को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एमसीडी में 25 अप्रैल को होने वाले मेयर व डिप्टी मेयर के चुनाव के लिए सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। संख्या बल कम होने के बावजूद कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। बुधवार को कांग्रेस ने समर्थन के लिए आप नेताओं को पत्र लिखा है। कांग्रेस पार्षद दल की नेता नाजिया दानिक्स ने अरविंद केजरीवाल, सौरभ भारद्वाज, आतिशी सहित आप पार्षदों को पत्र भेजकर चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की है। नाजिया ने पत्र में दिल्लीवासियों के हित और भाजपा को सत्ता से दूर रखने की जरूरत पर बल दिया है।

हालांकि, विधानसभा चुनाव के समय से कांग्रेस और आप रिश्तों में तनाव है। इसके बावजूद कांग्रेस ने इस मौके पर राजनीतिक समझदारी दिखाते हुए आप को न्योता भेजा है। वहीं मेयर चुनाव के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति कर दी है। इस बार भी उपराज्यपाल ने मौजूदा मेयर की जगह भाजपा पार्षद सत्या शर्मा को पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया है। सत्या शर्मा इससे पहले भी तीन बार पीठासीन अधिकारी की भूमिका निभा चुकी हैं और उन्हें चुनाव संचालन में अनुभव के आधार पर यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भाजपा पार्षद सत्या शर्मा बनीं पीठासीन अधिकारी

मेयर पद के लिए मनदीप सिंह और डिप्टी मेयर पद के लिए अरिबा खान हैं कांग्रेस के प्रत्याशी

कांग्रेस ने मेयर पद के लिए मनदीप सिंह और डिप्टी मेयर पद के लिए अरिबा खान को मैदान में उतारा है। एमसीडी में कुल 250 पार्षद हैं, लेकिन वर्तमान में 12 सीटें रिक्त हैं। ऐसे में 238 पार्षदों के साथ-साथ लोकसभा के सात सांसद, राज्यसभा के तीन सांसद और दिल्ली विधानसभा से नामित 14 विधायक मिलकर कुल 262 वोट डालेंगे। बहुमत हासिल करने के लिए कम से कम 132 वोटों की आवश्यकता है। वर्तमान गणित के अनुसार, भाजपा के पास 135 वोट हैं, जबकि आप के पास 119 और कांग्रेस के पास सिर्फ आठ वोट हैं। एमसीडी चुनाव में मतगणना और परिणामों से इतर यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा को टक्कर देने के लिए कांग्रेस व आप किसी समझौते तक पहुंचती हैं या फिर मुकाबला एकतरफा होता है या भाजपा अपनी संख्या बल के सहारे दोनों शीर्ष पदों पर कब्जा जमाने में सफल होती है।

नव नियुक्त नगर आयुक्त गौरव कुमार ने पदभार संभाला

» बोले- स्वच्छता, टैक्सेशन पर रहेगा विशेष जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नव नियुक्त नगर आयुक्त गौरव कुमार ने आज नगर आयुक्त का पदभार ग्रहण कर लिया। उन्हें पूर्व नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने पदभार ग्रहण कराया. गौरव कुमार 2018 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। चंडीगढ़ निवासी गौरव कुमार की शिक्षा चंडीगढ़ से हुई है उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री भी हासिल की है।

उन्होंने 4पीएम से बातचीत में अपनी प्राथमिकता बतायी। उन्होंने कहा स्वच्छता, टैक्सेशन पर विशेष जोर रहेगा। जल भराव की समस्या का प्राथमिकता पर निस्तारण कराया जाएगा। सभी के साथ मिलकर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जाएगा. जीरो टॉलरेंस की नीति पर नगर निगम में काम होगा. जनता की समस्याओं का प्राथमिकता पर निस्तारण किया जाएगा।

शर्मनाक! कश्मीर में लोग रो रहे और मोदी बिहार में रैली कर रहे

» विपक्ष के साथ-साथ आम जन बोला- ये समय भाषण का नहीं एक्शन लेने का

» जनता बोली - श्रद्धांजलियों से नहीं, सख्त कार्रवाई से चाहिए इंसाफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकतरफ पूरे देश में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर आक्रोश है तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार में रैली करने पहुंचे है। उनके इस दौरे को लेकर विपक्ष समेत आम जनता ने सवालिया निशान लगाया है। कांग्रेस ने जहां कहा है सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री को भी शामिल होना चाहिए वहीं जदयू ने इस बैठक से किनारा किया है। बैठक से किनारे के लिए उसने मधुबनी रैली को ही कारण बताया है। वहीं कांग्रेस ने अपनी बैठक में पहलगाम हमले की निंदा की है। उधर देश में प्रदर्शन करते हुए आम नागरिकों ने कहा है भाषण से नहीं ठोस कार्रवाई से ही बात बनेगी।

इन सब घटनाक्रम के बीच पीएम मोदी ने कहा है कि देश पर हुए हमले का मुहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पहलगाम हमले के बाद देश की जनता में रोष है और सभी ने एक स्वर में मीटिंग नहीं कार्रवाई करने की मांग की है। लोग सवाल पूछ रहे हैं कि आतंकवादी आये, हमला किया और चले गये यह कैसे संभव है। एक हाईलेवल मीटिंग के बाद पीम मोदी ने सिंधु जल संधि (1960) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। अटारी एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है। पाकिस्तानी सार्क वीजा धारकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने के निर्देश दिये गये हैं। पाकिस्तान में भारत के रूख से हलचल है और वहां के पीएम शहबाज शरीफ ने तत्काल इमरजेंसी मीटिंग बुलाई हैं। पूरी दुनिया ने भारत को इस विषय पर समर्थन देने का एलान किया है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरे देश में आक्रोश

आतंकियों को कल्पना से भी बड़ी सजा देंगे : मोदी

» बिहार से पीएम की भारत के दुश्मनों को चेतावनी

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में पहलगाम आतंकी हमले पर देश के दुश्मनों को चेतावनी देते हुए कहा, मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि इन आतंकियों को और इस हमले की साजिश करने वालों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा मिलेगी, सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि इन आतंकियों को और इस हमले की साजिश करने वालों को उनकी कल्पना से बड़ी सजा मिलेगी, सजा मिलकर रहेगी। अब आतंकियों की बची-कुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है।

हाई-लेवल मीटिंग नहीं, निर्णायक कार्रवाई करे सरकार

व्यापारियों ने दुकानें बंद कर सीमा पर युद्ध में जाने की व्यक्त की इच्छा

4PM न्यूज़ नेटवर्क टीम ने जब लोगों से इस विषय पर बात की तो उनका गुस्सा सातवें आसमान पर नजर आया। गृहणी हो या फिर कामकाजी महिला, व्यापारी हो या फिर वकील सभी ने पाकिस्तान पर ठोस कार्रवाई की मांग की। अब जनता सर्जिकाल इस्ट्राइक को भी मानने के लिए तैयार नहीं दिखी। जीपीओ प्रतिमा पर व्यापारिक संगठनों ने धरना दिया और एक स्वर में कहा कि वह अपनी दुकाने बंद कर सीमा पर युद्ध मे जाने के लिए तैयार है। सरकार को पाकिस्तान को स्ट्रांग मैसेज देने की जरूरत है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे गंभीर पहलू यह दिख रहा है कि जनता अब सीधे सरकार को जिम्मेदार मान रही है। लोगों का कहना है कि कड़े कदम उठाने का समय आ गया है। यूपी की जनता अब नारे नहीं, निर्णय चाहती है। लोगों का यह भी कहना है कि हमेशा देखने में आता है कि ऐसे हमलों के बाद कड़ी निंदा की बात कहकर इतीश्री कर ली जाती है। पर इसबार जनता ठोस कार्रवाई चाहती है। लोगों का कहना है कि बातो से काम नहीं चलेगा। अगर सरकार जल्द कोई निर्णायक कदम नहीं उठाती, तो यह जनाक्रोश देशभर में राजनीतिक और सामाजिक असंतोष में बदल सकता है।

डरा पाकिस्तान, बुलाई बैठक

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उच्च स्तरीय सीसीएस बैठक की अध्यक्षता करने के कुछ ही घंटों बाद, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की आज बैठक बुलाई है। इस बैठक में पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की गई है, जिसमें उन्होंने पुष्टि की है कि राष्ट्रीय सुरक्षा चर्चा का मुख्य विषय होगी।

पहलगाम आतंकी हमले पर कांग्रेस ने पास किया निंदा प्रस्ताव

» कार्यसमिति की आपात बैठक में मृतकों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस नेताओं ने गुरुवार को पहलगाम आतंकवादी हमले पर विचार-विमर्श के लिए पार्टी कार्यसमिति की एक आपात बैठक की और इस हमले की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किए किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी और राहुल गांधी, महासचिव के सी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य नेताओं ने यहां पार्टी के 24, अकबर रोड कार्यालय में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में भाग लिया। बैठक की शुरुआत नेताओं द्वारा हमले के पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। पार्टी ने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस कार्यसमिति ने आज अपनी बैठक में हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और इसमें मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हम एकजुट हैं। एक अन्य पोस्ट में लिखा गया कि कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने कायराना हमला किया है। इसकी जितनी निंदा की जाए, वो कम है। इसी अहम मुद्दे पर आज कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक से पहले पहलगाम हमले के मृतकों को मौन रख श्रद्धांजलि दी गई।

सर्वदलीय बैठक में पीएम भी हिस्सा लें : पवन खेड़ा

» राहुल अमेरिका की यात्रा छोड़कर लौटे

पार्टी नेता पवन खेड़ा ने कहा कि 22 अप्रैल को कांग्रेस पार्टी ने पहलगाम हमले के विषय में सर्वदलीय बैठक की मांग की थी। उस मांग को स्वीकार करते हुए सरकार ने आज सर्वदलीय बैठक बुलाई है। हम उम्मीद करते हैं कि प्रधानमंत्री इस मामले की गंभीरता को समझते हुए इस सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लेंगे। वहीं राहुल गांधी ने सीडब्ल्यूसी की बैठक में भाग लेने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की अपनी यात्रा को बीच में ही रोक दिया था। कांग्रेस को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री जो आज शाम को हमले पर एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे, सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेंगे और साथ ही एक सामूहिक संकल्प भी बनाएंगे।

पांचों आतंकियों की हुई पहचान

हमले में शामिल पांच आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है। इनमें तीन पाकिस्तानी नागरिक और दो जम्मू-कश्मीर के निवासी बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने आतंकी हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं। जांच एजेंसियों ने तीन पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की, जिनके नाम आसिफ फौजी (उपनाम मूसा), सुलेमान शाह (उपनाम यूनुस) और अबू तल्हा (उपनाम आसिफ) हैं। इसके अलावा, घाटी के दो अन्य आतंकवादियों की भी पहचान की गई, जिनमें अदिल गुरी, अनंतनाग के बिजबेहरा का स्थानीय निवासी, जो 2018 में पाकिस्तान गया था और पुलवामा का अहसन शामिल हैं।

हम कश्मीरियों को दुश्मन न समझें : उमर अब्दुल्ला

» सीएम बोले- हमारी कोई गलती नहीं, ये सब पाकिस्तान ने किया

श्रीनगर। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमारी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं, चाहे वो 25 मेहमान हों या हमारे स्थानीय बहादुर युवा जिन्होंने दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान की परवाह न करते हुए खुद को दूसरों के लिए कुर्बान कर दिया। अन्य भारतीय राज्यों में कश्मीरी छात्रों को परेशान किए जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि वह अपने समकक्षों के संपर्क में हैं और उन्होंने उनसे लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि राज्य प्रशासन उन राज्यों की सरकारों के संपर्क में है, जहां से ये खबरें आ रही हैं। उनका यह बयान नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार की पोस्ट के जवाब में था, जिसमें उन्होंने सीएम से परेशान करने वाली खबरों के बीच कदम उठाने का आग्रह किया था। उमर अब्दुल्ला ने बाद में मीडिया से कहा कि हमारी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं, चाहे वो 25 मेहमान हों या हमारे स्थानीय बहादुर युवा जिन्होंने दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान की परवाह न करते हुए खुद को दूसरों के लिए कुर्बान कर दिया। मैं जम्मू-कश्मीर के लोगों को इस घटना के खिलाफ सामने आने के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने आगे कहा कि मैं देश के लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे कश्मीरियों को दुश्मन न समझें। इसमें हमारी कोई गलती नहीं है। ये सब पाकिस्तान ने किया है। कश्मीरियों ने भी 35 साल तक इसे बर्दाश्त किया है। अब्दुल्ला ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पहलगाम में हमले के बाद मैंने कल दोपहर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई है। मैंने सभी प्रमुख राजनीतिक दलों, जम्मू-कश्मीर के सभी माननीय सांसदों और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता को निमंत्रण भेजा है।'' यह बैठक बृहस्पतिवार को अपराह्न तीन बजे शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में आयोजित की जाएगी। अब्दुल्ला ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रमुखों को भेजे पत्र में लिखा, पहलगाम में हुए घातक हमले के बाद मैं आपको भारी मन से यह पत्र लिख रहा हूं। मारे गए लोगों की जान और निर्दोष नागरिकों पर हुए अत्याचार ने हम सभी को झकझोरा।

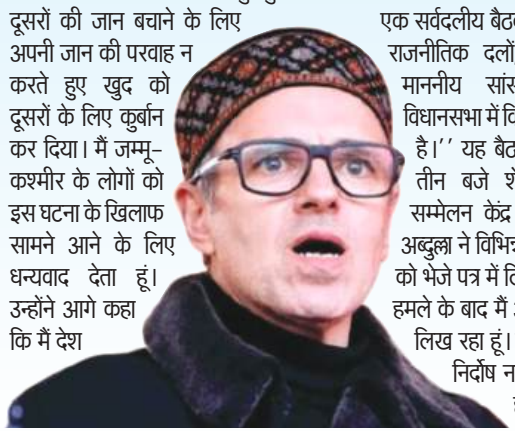

आज शाम सर्वदलीय बैठक शामिल नहीं होगी नीतीश कुमार की पार्टी

केंद्र सरकार आज शाम 6 बजे होने वाली सर्वदलीय बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को पहलगाम आतंकी हमले के बारे में जानकारी देगी और उनके विचार सुनेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह नेताओं को जानकारी दे सकते हैं। सरकार ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान को निशाना बनाते हुए कई उपायों की घोषणा की, जहां आतंकवादियों ने मंगलवार (22 अप्रैल) को कम से कम 26 लोगों की हत्या कर दी, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। सरकार की सहयोगी जदयू इस बैठक में शामिल नहीं होगी। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि जेडीयू के सभी शीर्ष नेता आज मधुबनी जिले में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में व्यस्त हैं, इसलिए हम सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। बैठक में जो भी निर्णय लिया जाएगा, जेडीयू सरकार के निर्णय के साथ खड़ी रहेगी और देशहित में सरकार का समर्थन करेगी। वहीं, शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे आज नई दिल्ली में होने वाली सर्वदलीय बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।